09 नवम्बर, 2017 को राज्य स्थापना दिवस की 17 वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुलिस लाईन में आयोजित रैतिक परेड समारोह में श्री राज्यपाल का सम्बोधन

.....

मेरे प्यारे उत्तराखण्ड वासियों !

राज्य स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण होने पर आप सभी को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर, मैं राज्य निर्माण के उन सभी ज्ञात–अज्ञात, अमर शहीदों व आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिनके त्याग व बलिदान से 09 नवम्बर 2000 को पृथक उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण हुआ। मैं राज्य के सभी नागरिकों का भी अभिनंदन करता हूं जिन्होंने 17 वर्ष की विकास यात्रा में उत्तराखण्ड की विशिष्ट पहचान बनाने में योगदान किया है। आप सभी को बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

अभी यहां एक बहुत ही अनुशासित व शानदार पुलिस परेड़ का प्रदर्शन किया गया, इसके लिए समस्त पुलिस परिवार को बधाई देता हूं। परेड़ से साफ जाहिर होता है कि आप सभी के द्वारा कड़ी मेहनत और अभ्यास किया गया है।

शांति व कानून व्यवस्था, प्रत्येक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। प्रदेश का विकास मूलरूप से वहां की कानून व्यवस्था पर निर्भर करता है। इसमें आप सभी पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस वर्ष के प्रारम्भ में विधानसभा के आम चुनावों के लिए जो व्यवस्था की गई और जिस प्रकार से पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई, वह प्रशंसनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में भी राज्य की कानून व शान्ति व्यवस्था को बनाये रखने के अपने वायदे को निभाते हुए पुलिस, राज्य के समग्र विकास में सबसे मजबूत कड़ी के रूप में भी अपनी भूमिका निभाती रहेगी। शान्ति, सुरक्षा व

कानून व्यवस्था बेहतर होने से पूँजी निवेश बढ़ेगा जिससे विकास में तेजी आएगी। उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था पर्यटन आधारित है। पर्यटक उसी राज्य में आना पसंद करते हैं जहां वे अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हों।

उत्तराखण्ड में दूसरे राज्यों की तुलना में अपराध बहुत कम हैं। यहां की कानून व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर है। मैं इसके लिए राज्य के शांतिप्रिय व सरल हृद्य लोगों को बधाई देता हूं। प्रत्येक वर्ष लाखों श्रद्धालु चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा पर उत्तराखण्ड में आते हैं। राज्य की जनसंख्या से अधिक संख्या में प्रतिवर्ष आने वाली इस फ्लोटिंग जनसंख्या के लिए सुरक्षा आदि व्यवस्थाएं करना आसान नहीं होता है। मैं सरकार, शासन–प्रशासन व उत्तराखण्ड पुलिस को इसके लिए बधाई देता हूं।

आज उत्तराखण्ड को बने 17 वर्ष हो गए हैं। स्थापना दिवस हमें ईमानदारी से यह मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान करता है कि जनता की अपेक्षाओं व आशाओं को पूरा करने की दिशा में हम कितना आगे बढ़े हैं। विगत 17 वर्षों में उत्तराखण्ड ने अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। बार–बार प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद आप सभी उत्तराखण्ड वासियों की दृढ़ संकल्प शक्ति से राज्य ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज उत्तराखण्ड देश के अग्रणी राज्यों में शुमार हो चुका है। इन वर्षों में हमने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, तो बहुत सी चुनौतियां भी हैं। जीडीपी व प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का लाभ गरीबों, वंचितों, किसानों तक पहुंचाना है। सच्चे मायनों में विकास के लिए शहर–गांव, उद्योग–खेती के बीच के गैप को दूर करना होगा। इस दिशा में सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण पहलें की हैं, परन्तु

हमारा लक्ष्य पहाड़ के गॉवों को आर्थिक दृष्टि से उन्नत बनाना, अभी भी दूर है और इस हेतु समर्पित प्रयासों की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नए भारत के निर्माण के लिए मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, डिजीटल इंडिया, स्वच्छ भारत व नमामि गंगा के माध्यम से जन–अभियान प्रारम्भ किया है। मुझे खुशी है कि नए प्रगतिशील भारत में उत्तराखण्ड बढ़–चढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि वर्ष 2019 तक पूर्ण साक्षरता, वर्ष 2022 तक सबको आवास व किसानों की आय दुगुनी करने का लक्ष्य पूरा करने में, उत्तराखण्ड अग्रणी राज्यों में रहेगा।

राज्य में युवाओं के कौशल विकास के लिए राज्य में अलग से रोजगार सृजन एवं कौशल विकास विभाग का गठन किया गया है। आगामी तीन वर्षों में 40 हजार से अधिक युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। युवाओं को उद्यम हेतु प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने के लिए हाल ही में राज्य की स्टार्ट–अप पॉलिसी लाई गई है। प्रदेश में आईडिया हब स्थापित किए जा रहे हैं। स्कूली सिलेबस में स्टार्ट अप को शामिल किया जाएगा। परंतु ग्रामीण युवाओं व महिलाओं के कौशल विकास के लिए और अधिक प्रयास की ज़रूरत है, विशेषकर पहाड़ी जिलों में।

डिजीटल उत्तराखण्ड के तहत ई–गर्वनेंस के लिए देवभूमि जनसेवा व ई–डिस्ट्रिक्ट सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का भी पूर्ण कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। सभी पी.डी.एस. की दुकानों पर कैश लैस भुगतान के लिए पी.ओ.एस. मशीन स्थापित की जा रही हैं।

उत्तराखण्ड की पहचान देश–दुनिया में देवभूमि के रूप में है। हमें इस पहचान को बनाए रखना है। महत्वाकांक्षी नमामि गंगे अभियान की सफलता उत्तराखण्ड की सक्रिय भूमिका के बिना सोची भी नहीं जा सकती है। हमें नही भूलना चाहिए कि उत्तराखण्ड के निवासियों का गंगा को निर्मल और पवित्र रखने में विशेष स्थान है। स्वच्छ भारत अभियान में उत्तराखण्ड अग्रणी पंक्ति में है। यह खुशी की बात है कि प्रदेश का ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से ओ.डी.एफ. किया जा चुका है। राज्य में स्वच्छता अभियान की पहल को भारत सरकार द्वारा बेस्ट प्रेक्टीसेज का दर्जा दिया गया है। राज्य सरकार ने मार्च 2018 तक सभी नगर क्षेत्रों को भी ओ.डी.एफ. बनाने का लक्ष्य रखा है। हम सभी को सभ्य नागरिक की जिम्मेवारी को समझते हुए इसमें भागीदारी निभानी होगी।

राज्य में हमारे सामने बड़ी चुनौती, दुर्गम व दूर–दराज के इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का विकास करना है। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्वतीय खेती पर फोकस करना होगा। राज्य सरकार गम्भीरता से इस दिशा में काम कर रही है। पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण विकास व पलायन आयोग का गठन करते हुए इसका मुख्यालय पौड़ी में स्थापित किया गया है।

नीतिगत निर्णय लेते हुए मैदानी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में डॉक्टर पर्वतीय क्षेत्रों में नियुक्त किए गए हैं। किफायती दाम पर दवा उपलब्ध करवाने के लिए 100 जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। टेली–मेडिसिन व टेली–रेडियोलॉजी का प्रयास किया जा रहा है। नए चिकित्सकों की नियुक्ति

करने के लिए भी हर सम्भव कोशिश की जा रही है। शिशु तथा मातृत्व मृत्युदर को भी न्यूनतम करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए कृषि व बागवानी को आजीविका से जोड़ना होगा। हॉर्टीकल्चर, फ्लोरीकल्चर, जड़ी–बूटियों सहित नकदी फसलों से किसानों की आर्थिक स्थिति में बहुत सुधार हो सकता है। लाभकारी खेती के लिए, खेती की लागत को कम करने के साथ ही उत्पादों की पहुंच बाजार तक सुनिश्चित कराना आवश्यक है। इसके लिए जिला व ब्लॉक स्तर पर समुचित व्यवस्थाएं करनी होंगी।

गुणवत्तापरक व संस्कारित शिक्षा से सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी हो, जो छात्रों को प्रेक्टीकल नोलेज दे और उनमें स्किल डेवलपमेंट करे। विश्वविद्यालयों में ज्ञान के सृजन के लिए उच्च स्तरीय व मौलिक रिसर्च को प्रोत्साहित करना होगा। हमें विशेष प्रयास करना होगा ताकि हमारे शिक्षण संस्थान, क्वालिटी एजुकेशन व स्पोर्ट्स के सेंटर बन सकें। परंतु सबसे पहले स्कूली स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता है। अगर स्कूल में बुनियाद पक्की बन रही है तो बच्चे आगे भी कामयाब रहेंगे।

किसी भी देश व समाज की शक्ति वहां के यूथ में निहीत होती है। उत्तराखण्ड के युवा बहुत प्रतिभावान हैं। मैं अपने युवा दोस्तों से आह्वान करता हूं कि राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन, डिजीटल इंडिया, स्किल डेवलेपमेंट, स्टार्ट अप व मेक इन इंडिया कार्यक्रमों से जुड़कर देश के विकास में अपने सामर्थ्य व प्रतिभा का उपयोग करें। लगन और कठिन परिश्रम, सफलता की कुंजी है।

मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ ही वीर भूमि भी है। देश की रक्षा में उत्तराखण्ड के जवान, प्राणों की बाजी लगाने में हमेशा आगे रहे हैं। हमें अपने वीर जवानों पर नाज है। प्रत्येक विश्वविद्यालय में अमर शहीदों को समर्पित 'Wall of Valour' बनाई गई हैं ताकि हमारे युवाओं को प्रेरणा मिले।

उत्तराखण्ड में मजबूत आधारभूत संरचना के लिए केंद्र सरकार के सहयोग से बहुत महत्वपूर्ण पहलें की गई है। हमारे लिए खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री जी द्वारा चारधाम ऑल वेदर रोड़ का शिलान्यास करने के बाद से काम में तेज़ी आयी है व ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट पर काम प्रारम्भ होने जा रहा है। चार धाम रेल सम्पर्क योजना से न केवल उत्तराखण्डवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी बल्कि पर्यटन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा।

महामहिम राष्ट्रपति जी व प्रधानमंत्री जी के श्री बदरीनाथ व श्री केदारनाथ धाम आगमन से दुनिया में सुरक्षित उत्तराखण्ड का सकारात्मक संदेश गया और राज्य सरकार के साथ ही चारधाम यात्रा से जुड़े अधिकारियों व कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ा। इसी का परिणाम है कि इस वर्ष रिकार्ड संख्या में श्रद्धालु चार धाम व श्री हेमकुण्ड साहिब यात्रा पर आए। प्रधानमंत्री जी की 20 अक्टूबर को केदारनाथ धाम में की गई घोषणाओं का भी बहुत सकारात्मक प्रभाव रहेगा।

प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व सम्मानित जीवन जीने का अधिकार होता है। इन्हीं अधिकारों के सपनों को लेकर अलग उत्तराखण्ड राज्य के लिए संघर्ष किया गया था। अगर हम सभी ईमानदारी से कोशिश करें तो अवश्य ही एक ऐसा उत्तराखण्ड बनाने में सफल होंगे जहां सभी की बुनियादी जरूरतें पूरी होंगी, सभी को आगे बढ़ने के तमाम अवसर और साधन उपलब्ध होंगे।

हम जहां भी हैं, हमारे जो भी कर्तव्य व दायित्व हैं, उनका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें। राज्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें और उनका पालन करें। सच्चे मायनों में विकास तभी कहा जा सकता है जब राज्य की आर्थिक व सामाजिक प्रगति का लाभ दूरदराज के गांवों में रहने वाले साधनहीन लोगों तक भी पहुंचे। प्रयास करें कि साधन सम्पन्न व साधन हीन नागरिकों के बीच का अंतर कम हो। हमारे यही प्रयास उत्तराखण्ड के विकास में और तेजी ला सकते हैं।

एक बार पुनः आप सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं।

जय हिन्द! **जय उत्तराखण्ड !**